हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, शुक्रवार 20 फरवरी 2026

तापमान
अधिकतम 27.2 डिग्री
न्यूनतम 8.3 डिग्री

11 एमडीयू में किराना घराने की स्वर साधना से गूंजा

12 संयुक्त आयुक्त ने रोड स्वीपिंग, कचरा उठान, नालों की...

■ डायलिंजर वेबसाइट पर कुछ पैसे खर्च कर मिल जाते हैं विदेशी नंबर ■ इनका दुरुपयोग कर अपराधी व्यापारियों व नेताओं से मांगते हैं फिरौती

टशन ना बण ज्या टेंशन...घरां बैठ विदेशी नंबर तै मांग रहे रपिये

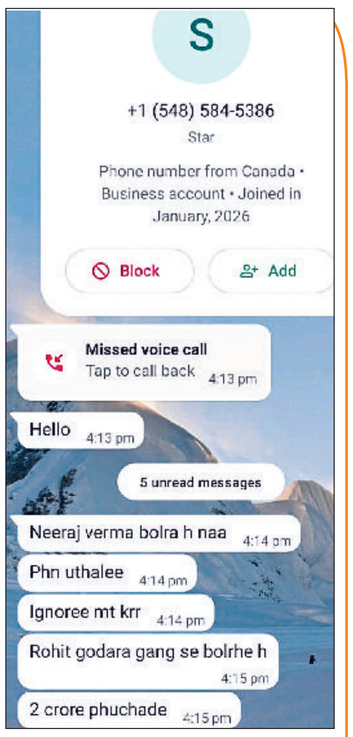

रोहतक। हरिभूमि संवाददाता ने सच्चाई जांचने का प्रयास किया तो यह जवाब मिले।

नीरज वर्मा ▶▶ रोहतक

टशन बणाण खातर शुरू करी गई सेवा ईब लोगां खातर टेंशन बणती जा री सै।कई जगहां देखण में आया सै अक इस जुगाड़ का फैदा ठा कै कई लोग 300-400 रपिये खर्च करकै देस की देस में बैठ कै आपणे यारे-प्यारां नै ठगण लाग रे सैं। दरअसल, प्रदेश में ठगी के ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें डायलिंजर डॉटकॉम नामक वेबसाइट के जरिये रजिस्ट्रेशन कर देश में ही बैठकर विदेशी नंबर के जरिये लोगों से फिरौती मांगी जा रही है। इससे लोगों में घबराहट देखने को मिल रही है। ऐसे मामलों में पीड़ित के पास विदेशी नंबर से व्हाट्सएप धमकी भरी कॉल आती है और वह फिरौती के रूप में मोटी रकम मांगने लगता है, जबकि आरोपित अपने देश, अपने घर या आपके आसपास ही मौजूद होता है। आज के डिजिटल युग में लोगों की सुविधाओं के लिए शुरू की गई सेवाएं गले की फांस बनती जा रही हैं। ऐसे में इस तरह की प्रक्रिया को समझना जरूरी है, ताकि लोग घबराएं नहीं और सतर्क रहें।

ठगी का नया रूप

- वेबसाइट पर 300 से 400 रुपये में मिलते हैं प्वाइंट
- ये प्वाइंट खर्च कर ले सकते हैं किसी भी देश का कोड
- यह नंबर केवल व्हाट्सएप पर ही होता है सक्रिय

किसी भी देश का कोड चुनने का विकल्प

चिंता : वेबसाइट पर नंबर मिलने के बाद साइट सभी उपलब्ध विदेशी नंबर का कोड दिखाती है। इसका मतलब यह है कि अब हर नया नंबर जो उपयोगकर्ता लेना चाहता है, उसके लिए निर्धारित पाइंट खर्च करना जरूरी है। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई नया विदेशी नंबर चुनता है, तो उसे उस नंबर के हिसाब से पाइंट के पैसे जमा करवाने होंगे। यह सिस्टम सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक उपयोगकर्ता केवल भुगतान करके ही नंबर का उपयोग कर सके। यह ट्रेंड इसलिए चिंता का विषय है, क्योंकि किसी भी व्यक्ति को यह नहीं पता चलता कि कॉल करने वाला कौन है।

घातक : कुछ लोग केवल अपना रौब दिखाने के लिए ऐसे नंबर का प्रयोग करते हैं। साइट भी इसी मानसिकता को कमाई का जरिया बनाए हुए है। बताया जा रहा है कि विदेशी नंबर मिलने के बाद व्हाट्सएप कॉल करना और अंतरराष्ट्रीय संपर्क करना आसान हो जाता है। यह भी समझना जरूरी है कि ऐसी सवाओं का दुरूपयोग न करें। कॉल कर फिरौती मांगना, किसी को धमकी देना गैरकानूनी है। यह घातक हो सकता है।

क्या है डायलिंजर डायलिंजर डॉटकॉम एक बिजनेस-कम्युनिकेशन और वर्चुअल फोन सेवा वाली वेबसाइट और प्लेटफ़ॉर्म है। यह सामान्य इंटरनेट साइट के बजाय एक क्लाउड-आधारित कम्युनिकेशन सिस्टम प्रदान करता है जो कंपनियों और उपयोगकर्ताओं को दुनिया भर में फोन नंबर, कॉलिंग और मैसेजिंग सुविधाएं देता है। लेकिन अपराधी इसका दुरुपयोग कर रहे हैं।

ऐसे मिलता है विदेशी नंबर

- इस प्रणाली के तहत सबसे पहले उपयोगकर्ता को डायलिंजर डॉटकॉम की साइट पर जाकर 300 रुपये से 400 रुपये के बीच कुछ पाइंट खरीदने होते हैं। ये पाइंट आगे की गतिविधियों में उपयोग किए जाते हैं।
- कुछ पाइंट खरीदने के बाद उपयोगकर्ता को एक विदेशी नंबर और कोड मिलता है। यह नंबर किसी अन्य देश का होता है और केवल व्हाट्सएप पर ही सक्रिय होता है। इसका उपयोग अपराधी करते हैं और लोगों से फिरौती लेकर चलते बनते हैं।

सुरक्षा और सतर्कता जरूरी

- इस प्रक्रिया को समझकर सतर्क रहें।
- किसी भी अजनबी नंबर से आई कॉल या मैसेज के प्रति सावधानी बरतें।
- व्यक्तिगत जानकारी या वित्तीय विवरण कभी भी साझा न करें।
- विदेशी नंबर प्रणाली का मूल उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित संपर्क प्रदान करना है, न कि किसी को डराना या परेशान करना।

पीजीआई को 10 डायलिसिस मशीनें मिलेंगी, मरीजों को राहत

पीजीआई में प्रतिमाह 350 और प्राइवेट में 1300 से 1400 डायलिसिस हो रहे

रोहतक। पीजीआईएमएस में डायलिसिस करवाने के लिए आने वाले मरीजों की संख्या बढ़ने वाली है। क्योंकि पीजीआई को एफएक्सबी इंडिया सुरक्षा, नई दिल्ली द्वारा 10 डायलिसिस मशीनें व एक आरओ दान करने के लिए एमओयू कुलपति डॉक्टर एचके अग्रवाल के मार्गदर्शन में निदेशक और एफएक्सबी कंपनी के बीच हुआ है। कुलपति ने कहा कि इन 10 नई डायलिसिस मशीनों के आने से पीजीआई के स्टेट आफ आर्ट डायलिसिस सेंटर का विस्तार होगा। यह एमओयू हरियाणा सरकार के हर मरीज को मुफ्त डायलिसिस उपलब्ध कराने के सपने को साकार करने में मदद करेगा। निदेशक डॉक्टर एस.के. सिंघल ने सीएसआर स्कीम के तहत इस एमओयू के लिए कंपनी का धन्यवाद व्यक्त किया। करीब 2 करोड़ की लागत से आने वाली मशीनों और आरो प्लांट से भर्ती मरीजों को फायदा मिलेगा। डॉ सुरेश सिंघल ने बताया कि ये डायलिसिस मशीनें अत्याधुनिक तकनीक से लैस होंगी। इन मशीनों से अस्पताल की ऊर्जा लागत में कमी आएगी।

अभी छह मशीनें

अभी पीजीआई में डायलिसिस की केवल छह मशीनें हैं। यहां प्रतिमाह लगभग 350 मरीजों के डायलिसिस किए जाते हैं। यह सेवा निशुल्क है। डायलिसिस की प्रक्रिया शाम चार बजे तक चलती है, जिसके बाद मशीनें बंद कर दी जाती हैं। इसके विपरीत निजी केंद्रों में प्रतिमाह 1300 से 1400 डायलिसिस किए जाते हैं। पीजीआई में सुविधा मुफ्त है तो भी निजी अस्पतालों में मरीज अधिक हैं। सीमित मशीनें और समयबद्ध संचालन बड़ी वजह हैं कि कई मरीजों को निजी केंद्रों का सहारा लेना पड़ता है।

एचआईवी मरीजों के लिए अलग से मशीन नहीं

पीजीआई में एचआईवी संक्रमित के लिए अलग से डायलिसिस मशीन उपलब्ध नहीं है, जबकि निजी केंद्र पर अलग व्यवस्था होती है। उम्मीद है कि विशेष श्रेणी के मरीजों के लिए अलग सुविधा विकसित की जा सकेगी। डॉक्टरों के अनुसार अनियमित खानपान, मधुमेह, उच्च रक्तचाप व बदलती जीवनशैली के कारण किडनी रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में डायलिसिस सेवा समय की जरूरत बन गया है।

आईटीईपी के लिए आवेदन शुरू

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के शिक्षा विभाग में संचालित चार वर्षीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी)- बीए बीएड, बीएससी बीएड तथा बीकॉम बीएड में प्रवेश हेतु आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इन कार्यक्रमों में प्रवेश नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सामान्य प्रवेश परीक्षा 2026 के माध्यम से किया जाएगा। शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. माधुरी हुड्डा ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 10 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि पात्रता मानदंड, आवेदन प्रक्रिया तथा अन्य महत्वपूर्ण निर्देशों की विस्तृत जानकारी एमडीयू एवं एनसीटीई की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

मदवि: 12 पीएचडी के लिए पात्र घोषित

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) ने विभिन्न संकायों के 12 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि प्रदान किए जाने के लिए पात्र घोषित किया है। यह निर्णय बोर्ड ऑफ एग्जामिनर्स तथा रिसर्च डिग्री कमेटी की संस्तुतियों के आधार पर कुलपति की स्वीकृति से लिया गया है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. राहुल ऋषि ने बताया कि पीएचडी डिग्री के पात्र घोषित शोधार्थियों में फिजिक्स विभाग से दिव्या, कंप्यूटर साइंसेज विभाग से पंकज हुड्डा एवं छाया गुप्ता, विधि विभाग से मनमोहन और भारती, फार्मास्युटिकल साइंसेज से हितेंद्र शर्मा, आईएचटीएम से अजय, बायोटेक्नोलॉजी से परवीन, लाइब्रेरी एंड इनफॉर्मेशन साइंस कविता, सोशियोलॉजी से विकास यादव तथा शिक्षा विभाग से सलील और रोमी कादियान शामिल हैं।

बनियानी में ठगी का मामला

मजदूर के खाते से 43 हजार निकाले

रोहतक। कलानौर क्षेत्र के बनियानी गांव में रह रहे मजदूर के खाते से 43 हजार रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित की पहचान राजाराम पासवान के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर के वाजिदपुर बम्बैया गांव का निवासी है और फिलहाल बनियानी में मजदूरी रहा है। उसका निजी बैंक में खाता है। राजाराम ने बताया कि किसी व्यक्ति ने उसके खाते से करीब 43 हजार रुपये निकाल लिए। उसे लेनदेन की जानकारी तब हुई जब उसने खाते की जांच की। पीड़ित का कहना है कि उसने न तो किसी को पैसे ट्रांसफर किए और न ही फोन किसी को दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और साइबर एंगल से जांच शुरू कर दी है। बैंक रिकॉर्ड और तकनीकी विवरण की मदद से आरोपियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

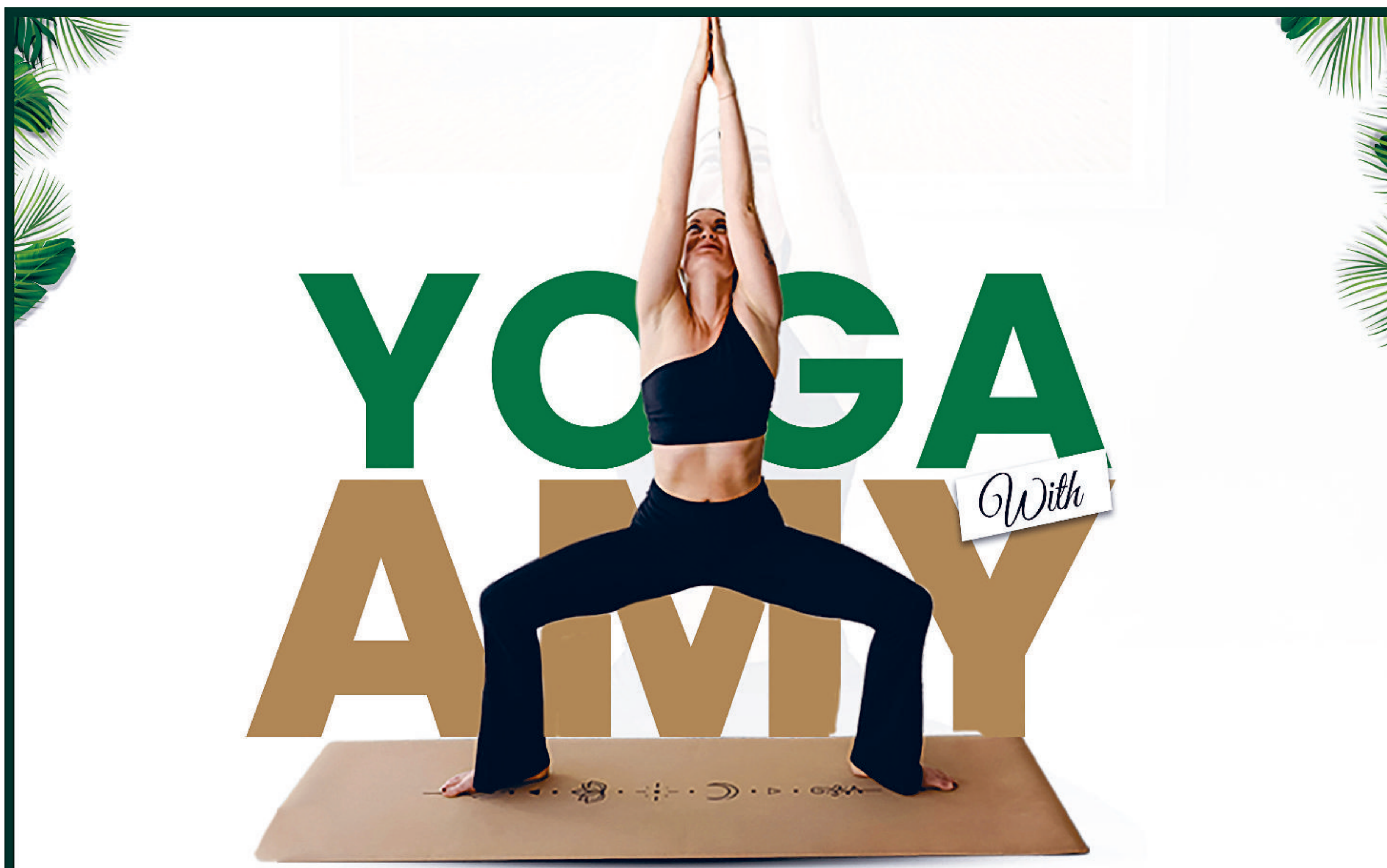

एमी संग योगा
रोहतक में पहली बार
हठ योग एवं विन्यास योग से
टेंशन फ्री ,स्वस्थ लंबा जीवन व कई बीमारियों में भी फायदा होगा
योगा से होगा
आयुर्वेदिक - योगा एक्सपर्ट्स की देख रेख में भिन्न भिन्न रोगों में फायदेमंद योग के सेशन का एक स्पेशल पैकेज,जो अभी तक कभी नहीं हुआ
लेडीज़ के लिए अलग सेशन
6 मार्च से शुरू। लिमिटेड स्लॉट आज ही बुक करें।
Contact: 8053508881,8053928881
स्थान: अथर्व आयुर्वेद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
आयुर्वेद , पंचकर्म , योग, नैचुरोपैथी का उत्कृष्ट संस्थान
CGHS, ECHS, FCI , हरियाणा सरकार प्राइवेट पैनल पर
छोटूराम स्टेडियम के सामने,सोनीपत रोड, रोहतक। 01262- 257211

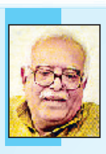

कहानी
प्रकाश मनु

गुड़िया दोस्तों के साथ चली चांद के देश

बच्चो, अगर चांद तुम्हारी छत पर उतर आए और बगल में बैठकर आसमान की दुनिया के बारे में बताए, इस बीच तुम्हारे दोस्त भी आ जाएं, सबका मन आसमान की सैर करने को हो जाए, सब चांद की किरणों के खटोले पर बैठकर चल दें तो कितना मजा आएगा! ऐसा ही कुछ गुड़िया के साथ हुआ। पढ़ो, बहुत ही मजेदार कहानी।

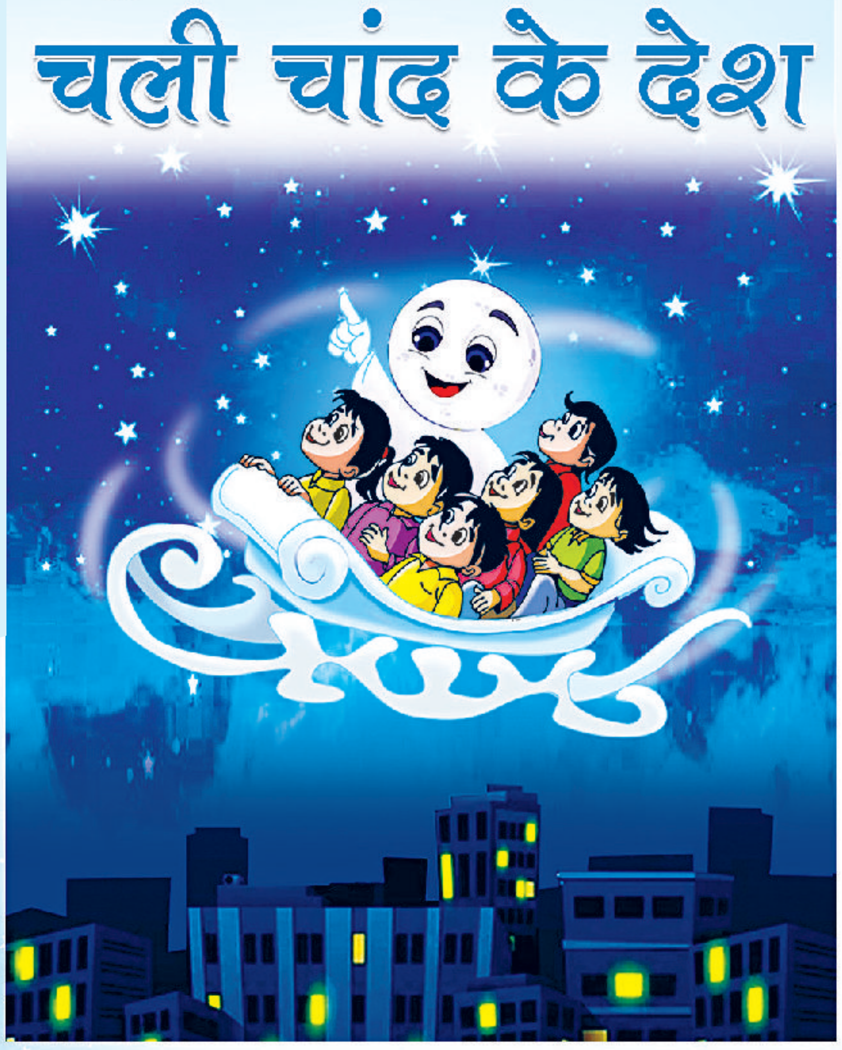

उस दिन चांदनी रात थी। गुड़िया अपने घर की छत पर बैठी थी। जोर-जोर से चंदा मामा का गीत गा रही थी, जो उसने आज ही अपनी सहेली चांदनी से सीखा था। वह बार-बार झूम- झूमकर गा उठती-

चंदा मामा दूर के,
खोए पकाए भूर के,
आप खाएं थाली में
गुड़िया को दें प्याली में
कितने मीठे, कितने प्यारे
लड्डू मोतीचूर के!

गुड़िया मजे में यह गीत गा रही थी। गाते-गाते उसने चांद की ओर देखा। चांद खिलखिलाकर हंस रहा था। तभी उसने खुद भी एक प्यारा सा गीत बना लिया और मीठे सुर में गाने लगी-

जल्दी आओ चंदा मामा,
पहन के आओ नया पाजामा!
उजला-उजला नया पाजामा,
पहन के दिखलाओ जी ड्रामा,
जिसमें लंबे से हों लामा,
जिनसे डर के भागे गामा।
भागे गामा, हो हंगामा,
दिखलाओ जी ऐसा ड्रामा...!

अभी वह इस कविता को आगे बढ़ाने के लिए अगली पंक्ति सोच ही रही थी, तभी एक जादू-मंतर सा हुआ। चारों ओर चांदी जैसा खूब घना प्रकाश फैल गया। एकाएक गुड़िया को सुनाई दिया, 'हां, गुड़िया बोलो, मुझे क्यों बुलाया है?'

गुड़िया हैरान। उसकी आंखें चकाचौंध हो रही थीं। उसने अचकचाकर सामने की ओर देखा, 'अरे लो! चंदा मामा तो सामने खड़े हैं! और सचमुच उन्होंने जगमग-जगमग करता सफेद पाजामा पहन रखा है। शुभ्र चांदनी का पाजामा!'

फिर भी गुड़िया ने अपने मन की तसल्ली के लिए पूछा, 'आप...आप चंदा मामा हैं न?'

'हां भई, कोई शक है क्या?' चंदा मामा खुलकर हंसे। फिर बोले, 'तुम लड्डू मोतीचूर के वाला गाना गा रही थीं। खाने हैं तो चलो मेरे साथ।...वहां चाहे जितने मोतीचूर के लड्डू खाना।'

गुड़िया आंखें पटपटाकर बोली, 'ओफ्फोह! चलना तो चाहती हूं, पर अभी मेरी सहेलियां और दोस्त आने वाले हैं। आज हमने कविता-कहानी सुनाने का कार्यक्रम रखा है न! इसी के लिए तो मैं गीत गाकर तैयारी कर रही थी।...और लो जी, यहां तो एक नया ही चक्कर चल पड़ा। मेरे दोस्तों को पता चलेगा तो हक्के-बक्के रह जाएंगे। बल्कि चंदा मामा, उन्हें तो यकीन ही नहीं आएगा कि आप यहां आ गए, मुझसे मिलने।'

'तो चलो, ठीक है। हम भी इंतजार कर लेते हैं तुम्हारे दोस्तों का..।' चंदा मामा ने कहा और गुड़िया के पास वहीं बैठ गए। गुड़िया को प्यारी सी कहानी सुनाने लगे- आसमान की कहानी, चांद-तारों और सूरज की कहानी।

थोड़ी ही देर में गुड़िया की सहेलियां और दोस्त भी आ गए। चंदा मामा को देखकर सब हैरान! गुड़िया ने जब चंदा मामा के बारे में बताया, तो सब उनसे हंस-हंसकर बात करने लगे। आसमान के देश के बारे में बहुत सी बातें पूछने लगे।

चंदा मामा ने कहा, 'चलो, तुम्हें दिखला ही देता हूं अपना देश। और तुम्हें जो कविता-कहानियां सुनानी हैं, उन्हें रास्ते में सुनाते चलना।'

'वाह! वाह! तब तो खूब मजा आएगा।' गुड़िया ने कहा।

'लेकिन चंदा मामा, हम जाएंगे कैसे? आपका देश तो बहुत दूर है न!' नटखट मिंकी ने पूछा।

'हां, पर मुश्किल क्या है। हम तो किरणों के उड़न-खटोले पर जाएंगे न।' चंदा मामा बोले।

'किरणों का उड़न-खटोला!' गुड़िया और उसकी सहेलियों के मुंह अचरज से खुले रह गए, 'सच..!'

'हां!' चंदा मामा ने कहा और उनके इशारा करते ही चांदी की किरणों का चम-चम करता उड़न-खटोला आसमान से जमीन पर आ गया।

सब बच्चे धम-धम-धम करते उसमें बैठे और उड़न-खटोला चल पड़ा। रास्ते में बच्चों ने एक से एक बढ़िया कविताएं-कहानियां सुनानी शुरू कर दीं। कुछ बच्चों ने मजेदार चुटकुले भी सुनाए। हंसते-हंसते चंदा मामा लोट-पोट हो गए।

फिर उड़न-खटोला पहुंचा चांद के देश में। वहां का तो खैर कहना ही क्या था। जिस चीज को देखो, वही चांदी की तरह चम-चम, चम-चम करती हुई। चांदी के कुर्सी-मेज। चांदी का पलंग। चांदी का फर्श। चांदी के फूल, गमले और पर्दे भी।

चंदा मामा ने बच्चों को तारों से मिलवाया, आसमान के राजा सूरज से भी उनकी मुलाकात करवाई, जो बच्चों के सामने सारी तपन छोड़कर ठंडे-शीतल थे। बच्चों ने आसमान में खूब सैर-सपाटा किया। फिर चांद का उड़न-खटोला धरती की ओर चल पड़ा।

बच्चों ने घर आकर अपने-अपने मम्मी-पापा को इस बारे में बताया, तो सब हैरान रह गए। गुड़िया ने हिंदी की मैडम को बताया तो उन्होंने कहा, 'गुड़िया, इस पर एक कहानी लिखो, 'गुड़िया चली चांद के देश।' उसे मैं स्कूल की पत्रिका में छापूंगी। साथ ही किसी बढ़िया आर्टिस्ट से उसका चित्र भी बनवाएंगे।'

गुड़िया ने यह कहानी लिखी तो बच्चों ने खुशी से झूम-झूमकर पढ़ी। अब सब बच्चे यही कहते हैं, गुड़िया अबकी चंदा मामा आएं तो हमसे भी मिलवाना। खुद गुड़िया को इंतजार है- देखें, अब कब आते हैं उसके चंदा मामा? आखिर उन्हें भी तो जरूर नन्ही-मुन्नी सी प्यारी गुड़िया की याद आती होगी ना! *

नन्ही कहानी

हार की चोरी

राजा का पुश्तैनी हार चोरी हो गया। राजा ने अपने मंत्री से सलाह की। मंत्री ने कुछ ऐसी तरकीब निकाली कि बड़ी ही आसानी से हार-चोर पकड़ा गया। मंत्री की क्या थी तरकीब?

एक राजा के महल से उसका पुश्तैनी हार चोरी हो गया। हार जिस जगह से चोरी हुआ था, वहां तक किसी बाहरी आदमी का पहुंच पाना असंभव था। इससे स्पष्ट था कि हार महल के अंदर रहने वालों में से ही किसी ने चुराया है। हार-चोर का पता लगाने के लिए राजा ने अपने मंत्री से सलाह की।

अगले दिन मंत्री एक पुतला लेकर आया। उसने आते ही घोषणा की, 'यह एक मंत्र सिद्ध पुतला है। महल के हर व्यक्ति को इस पुतले के मुंह में अंगुली डालनी है। जिसने हार चुराया है, पुतला उसकी अंगुली पकड़ लेगा।'

मंत्री ने वह पुतला महल के एक कक्ष में रखवा दिया, स्वयं दरवाजे के पास प्रसाद के लड्डू लेकर खड़ा हो गया। सब लोग कक्ष में जाते, पुतले के मुंह में अंगुली डालकर वापस आ जाते। मंत्री सबको हाथ में प्रसाद देकर विदा कर रहा था। इसी क्रम में जब एक दासी कमरे से निकली और जैसे ही उसने प्रसाद लेने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया, मंत्री ने उसका हाथ पकड़ लिया और राजा से कहा, 'इसी ने हार चुराया है।'

दासी ने पहले तो ना-नुकुर किया, लेकिन जब राजा ने सख्ती दिखाई तो उसने मान लिया कि हार की चोरी उसी ने की है।

राजा ने मंत्री से पूछा, 'मंत्री जी, आपने कैसे पता लगाया कि हार की चोरी इसी दासी ने की है?'

मंत्री ने बताया, 'महाराज, मैंने पुतले के मुंह में रंग लगा दिया था, जो भी उसके मुंह में अंगुली डाल रहा था, उसकी अंगुली में रंग लग रहा था। लेकिन दासी की अंगुली में कोई रंग नहीं लगा था, क्योंकि उसने पुतले के मुंह में अंगुली डाली ही नहीं। उसे डर था, पुतला उसकी अंगुली पकड़ लेगा, क्योंकि हार की चोरी उसी ने की थी।'

सारः चोर का मन बहुत कमजोर होता है। *

प्रस्तुतिः एफएमएन

कविता / डॉ. मीरा सिंह 'मीरा'

चिड़िया सच बतलाना

चिड़िया, चिड़िया, सच बतलाना,
नीड़ बनाना कैसे जाना?
चुग-चुग दाने चुनकर लाती,
क्या ना थकती, सच बतलाना?
क्या तू भी कुछ नियम तोड़ती,
क्या भरती कोई जुर्माना?
पंख सुनहरे इतने प्यारे,
कहां से पाया, यह बतलाना?
क्या जाती तू नित विद्यालय,
कौन सिखाता तुझको गाना?
जब ऊंचे नभ में उड़ती है,
कैसा लगता, सच बतलाना?

कविता / शिवचरण चौहान

फागुन के फुर्तीले दिन

फागुन के फुर्तीले दिन,
प्यारे रंग-रंगीले दिन।
सरसों के खेतों में फूले,
खुशबू भीने पीले दिन।
धूप शहद-सी चटा रहे,
सबको खूब सजीले दिन।
कोपल-कोपल में लटके,
मोती से चमकीले दिन।
नाच रहे सब मस्ती में,
छम-छम छैल-छबीले दिन।

हंसगुल्ले

चिंटूः मुझे आंख बंद करने के बाद भी दिखाई देता है।
मिंटूः अच्छा, क्या दिखाई देता है?
चिंटूः अंधेरा।
-साकेत, बिलासपुर

नन्ही रिया (अपनी दीदी से): दीदी, मुझे लिखना आ गया है।
दीदीः अच्छा! कुछ लिखकर दिखाओ तो।
रिया ने नोटबुक पर कुछ टेढ़ी-मेढ़ी लाइंस खींच दी।
दीदीः अरे! ये क्या लिखा है तुमने?
रियाः दीदी, अभी मैंने सिर्फ लिखना सीखा है, पढ़ना नहीं सीखा।
-प्रज्ञा, रायपुर

सोनूः तुम हमेशा अपनी जेब में नीबू लेकर क्यों चलते हो?
मोनूः ताकि अगर रास्ते में कोई दुश्मन मिल गया तो उसके दांत खट्टे कर सकूं।
-श्रेया, दुर्ग

जीके क्विज-193

1. हाल में ही पड़ोसी देश बांग्लादेश के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री का क्या नाम है?
2. विक्टोरिया मेमोरियल किस राज्य में स्थित है?
3. चार सौ ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पहले टेनिस खिलाड़ी कौन बने हैं?
4. भारत में किसी राज्य की पहली महिला राज्यपाल कौन बनी थीं?
5. भारत में पहली रेलगाड़ी किस वर्ष चली थी?
6. हाल में भारत की यात्रा पर आए इमैनुअल मैक्रों किस देश के राष्ट्रपति हैं?
7. 'ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया' के नाम से किसे जाना जाता है?
8. सल्फ्यूरिक अम्ल का रासायनिक सूत्र क्या होता है?
9. कौन-सा जीवाणु (बैक्टीरिया) दूध को दही में बदल देता है?
10. किस पुरस्कार को 'एशिया का नोबेल पुरस्कार' कहा जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-193 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-192 का उत्तरः 1.इंग्लैंड, 2.जे.के. रोलिंग, 3.अश्विनी वैष्णव, 4.स्वामी विवेकानंद, 5.स्टेपीज, 6.आइजैक न्यूटन, 7.सैम मानेकशॉ, 8.मंगल, 9.सोडियम क्लोराइड, 10.हेनरी कैवेंडिस

जीके क्विज-192 का सही उत्तर देने वालेः अमित-सक्ती, श्रेया-दामोह, कबीर-हिसार, अनहद-बिलासपुर, अजय-फतेहाबाद, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, शुभम-झज्जर, ज्योति-बैकुंठपुर, रमेश-बैकुंठपुर, सुयश-रायपुर, अर्णव-बिलासपुर, कुसुम-भिलाई, तमन्ना-कोरबा, मनीष-रोहतक, विकास-महासमुंद

नयन दिल्ली के एक होटल में रुकने आया तो उसे अपने रूम में लॉक की जगह एक कार्ड मिला, जिसको लगाने से रूम का डोर लॉक होता, ओपन होता। नयन ने पापा से जब इसके बारे में पूछा तो उन्होंने इसकी पूरी तकनीक उसे समझायी। बच्चो, तुम भी जानो।

नयन की होटल यात्रा

नॉलेज स्टोरी
आलोक कुमार दुबे

नयन अपनी फैमिली के साथ एक शादी में शरीक होने के लिए दिल्ली आया। स्टे के लिए वह एक होटल में गया। साथ में उसके चाचा की भी फैमिली थी। रिसेप्शन पर रजिस्टर में डिटेल भरने के बाद सभी को कमरों का नंबर बताकर उन्हें वहां पहुंचाने को कहा गया। होटल का जो कर्मचारी कमरे तक सामान लेकर आया था, उसने एक प्लास्टिक के कार्ड को कमरे के डोर पर टच किया और फिर हाथ से हैंडल को घुमाकर दरवाजा खोल दिया, फिर उस कार्ड को अंदर दरवाजे के पास एक कार्ड पॉकेट में डाल दिया। तुरंत ही कमरे की बत्तियां जल गईं। उसने बताया कि जब आप बाहर जाएं तो कार्ड निकाल कर साथ में जरूर ले जाएं, नहीं तो डोर अंदर से बंद हो जाएगा, आपको परेशानी होगी। नयन यह सब बहुत ध्यान से देख-सुन रहा था।

मम्मी-पापा जब कमरे में सामान रख रहे थे, नयन ने कमरे का दरवाजा खोला और यह जांचा कि दरवाजा अंदर से खुल रहा है या नहीं? वह बाहर निकल आया और दरवाजा बंद होने पर उसे बाहर से हैंडल घुमाकर खोलने लगा, लेकिन वह नहीं खुल रहा था। दरवाजे के बाहर लगी घंटी के स्विच तक उसका हाथ नहीं पहुंच रहा था। तब-तक बगल के कमरे से निकले चाचा की नजर उस पर पड़ी, उन्होंने पूछा, 'अरे! तुम बाहर क्या कर रहे हो?' चाचा ने घंटी बजाकर दरवाजा खुलवाया और उसे समझाया, 'अपने कमरे का नंबर याद कर लो और बिना बताए बाहर न निकलना। होटल के बाहर तो बिल्कुल भी नहीं। नहीं तो शादी में आने का सारा मजा किरकिरा हो जाएगा।'

कुछ देर बाद सभी लोग नहा-धो कर जब तैयार हो गए तो एक बड़े से कमरे में सभी लोगों को नाश्ते के लिए जाना था। पापा ने कमरे से बाहर निकलने के पहले कार्ड निकाल कर जेब में डाल लिया और दरवाजा बंद कर दिया। वापस आने पर

कार्ड को दरवाजे के हैंडल के पास टच किया और हैंडल घुमा कर दरवाजा खोल लिया। जब नयन से रहा नहीं गया तो उसने पूछा, 'पापा, अपने घर पर तो हम लोग चाबी से दरवाजा खोलते और बंद करते हैं, इस होटल में चाबी की जगह इस कार्ड से दरवाजा खुलता है। यह कैसे होता है, मेरी समझ में नहीं आ रहा है?'

'अरे भाई, इस होटल के दरवाजे पर आर.एफ.आई.डी. तकनीक का ताला लगा हुआ है। जब इस कार्ड को हम पास में लाते हैं तो ताले का रीडर उसे रीड कर लेता है या पहचान लेता है और हैंडल घूमने लगता है, दरवाजा खुल जाता है।' पापा ने नयन को बताया।

'तो क्या अपने कमरे के कार्ड से चाचू के कमरे को खोला जाए तो वह नहीं खुलेगा? ' नयन ने दूसरा प्रश्न किया।

'नहीं, हर कार्ड पर कमरे की संख्या अंकित है। उस कमरे के ताले की रेडियो तरंग (फ्रीक्वेंसी) कार्ड से मिलान होना जरूरी है।' पापा ने जानकारी दी। 'अच्छा अगर अपना कार्ड कहीं खो जाए या हम लोग इसे लेकर घर चले जाएं तो होटल वाले क्या करेंगे?' नयन ने अगला सवाल किया।

'हां भाई, होटल वालों को अकसर ऐसे ग्राहको से पाला पड़ता रहता है। दूसरी चाबी बनाने का खर्च और मेहनत ज्यादा पड़ती है, जबकि एक कार्ड की कीमत बहुत कम होती है। तुमको बता दूं कि यह कार्ड सिर्फ उस समय तक काम करेगा, जब तक का पैसा होटल वालों के पास जमा है, उसके बाद इस कार्ड से भी दरवाजा नहीं खुलेगा और रिसेप्शन काउंटर पर जाकर इसे फिर रिचार्ज कराना पड़ेगा।' 'लेकिन पापा जब हम लोग नाश्ता करने जा रहे थे तो होटल के वर्कर के पास एक ही कार्ड था। वह उस कार्ड से कई कमरे खोल कर उनमें पानी की बोतल आदि सामान रख रहा था, वह कैसे?' नयन ने पूछा। 'यही तो इस तरह के ताले की विशेषता है। होटल के कर्मचारी को साफ-सफाई या अन्य कार्य के लिए हर कमरे की अलग-अलग चाबी नहीं रखनी पड़ती। बस एक मास्टर कार्ड से ही सब कमरे खुल सकते हैं।' पापा ने बताया।

'पापा, मुझे इसीलिए तो आप के साथ घूमने में मजा आता है, क्योंकि नई-नई बातें जानने को मिलती हैं।' यह कहकर नयन ने हंसते हुए ताली बजाई और कमरे से बाहर निकल गया। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

देश के गर्व भारत रत्न

बच्चो, तुम यह तो जानते ही होगे कि अपने देश भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान का नाम भारत रत्न है। आजादी के बाद वर्ष 1954 से अब तक 53 विभूतियों को यह सम्मान प्रदान किया जा चुका है। भारत रत्न देने की शुरुआत कैसे हुई? इसमें क्या प्रदान किया जाता है? और इसे प्राप्त करने वाली विभूतियों के बारे में विस्तार से पुस्तक 'देश के अनमोल रत्नः भारत रत्न' में बताया गया है। इसे प्रसिद्ध बाल साहित्यकार समीर गांगुली ने लिखा है।

यहां तुम देश के पहले उपराष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन, भौतिक वैज्ञानिक डॉक्टर सी.वी. रमन, पूर्व राष्ट्रपति और वैज्ञानिक ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, गायिका लता मंगेशकर, शहनाई वादक बिस्मिल्लाह खां जैसी अनेक हस्तियों समेत विदेशी मूल की भी दो महान विभूतियों मदर टेरेसा और नेल्सन मंडेला के बारे में भी जान सकते हो। इस किताब को पढ़कर तुम जान सकोगे कि जिन हस्तियों को यह सम्मान प्रदान किया गया उन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में कितना अद्वितीय योगदान देकर भारत देश का नाम पूरे विश्व में विख्यात किया। निश्चित ही इस किताब को पढ़कर तुम भी इनकी तरह अपने देश और समाज के लिए बड़े काम करने के लिए प्रेरित होगे। *

किताब: देश के अनमोल रत्न : भारत रत्न,
लेखक: समीर गांगुली, **मूल्य**: 300 रुपए,
प्रकाशक: अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

रंग भरो-196

रंग भरो-196 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

आशना, जांजगीर

दिशांत, महेंद्रगढ़

मीनाक्षी, सक्ती

रेयांश, बिलासपुर

सौम्य, कोरबा

वैश्निका, रायपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

माही-महासमुंद, प्रियंका-रायपुर, संचिता-भोपाल, कोमल-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, नीरज-बिलासपुर, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, परी-हिसार, कविता-बालोद, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, प्रिया-करनाल, रचना-कोरबा

रंग भरो 197

बच्चो, यहां अपना होम वर्क पूरा करते हुए चिंकी और मिंकी का एक ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

रोहतक में रोहिंग्या

ग्रामीणों का आरोप: रोहिंग्या हैं मुस्लिम परिवार, कर रहे गैरकानूनी काम

बाहरी मुस्लिम परिवारों पर विवाद महम में अल्टीमेटम के बाद हलचल

गांव के ही व्यक्ति ने किराए पर दिया प्लॉट, एक झुग्गी का किराया, एक हजार रुपये

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम के साथ सटे अशोक नगर इलाके में रह रहे मुसलमानों को यहां से जाने के लिए कहा गया है। रविवार को तीन गांवों किशनगढ़, इमलीगढ़ और अशोक नगर की पंचायत हुई थी। इसमें इन मुसलमानों को रोहिंग्या बताया और जगह खाली करने के लिए 10 दिन का अल्टीमेट भी दिया। इस अल्टीमेटम को 4 दिन बीत चुके हैं, लोग लगातार कोशिश में हैं कि कूड़ा बीनने वाले ये मुस्लिम परिवार गांव में जिस जगह रहे रहे हैं, उसे कब खाली करेंगे। ग्रामीणों ने पुलिस को भी इस बारे में जानकारी दी है। अल्टीमेटम के बाद पुलिस मुस्लिम परिवारों के पास गई और सभी के पहचान पत्र भी देखे। ये पहचान पत्र असम के पाए गए। ऐसे में रोहिंग्या मुसलमानों वाली बात पर संशय होने लगा है। ग्रामीणों ने कई तरह के आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार भैंस चोरी हो चुकी है। एक बार तो इन परिवारों के एक लड़के ने गांव की लड़की से भी छेड़खानी की थी। बाद में माफी मांगकर मामला शांत हुआ था। कुल मिलाकर ग्रामीणों ने इन परिवारों को संदिग्ध बताया है और प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इनसे जगह खाली करवाई जाए।

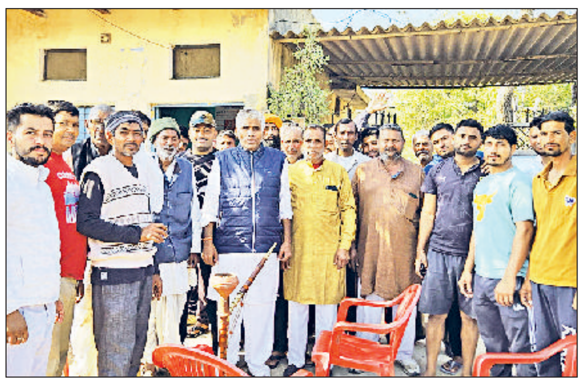

महम। अशोकनगर की किशनगढ़ पंचायत में मौजूद ग्रामीण और गांव के खाली प्लाट बनी झुग्गियां जहां रोहिंग्या मुसलमान रहते हैं। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीण बोले, नशे का धंधा करते हैं मुस्लिम परिवार

भाजपा नेता अजीत अहलावत सहित कई ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के पास रह रहे ये मुस्लिम परिवार नशे का कारोबार भी करते हैं। इंजेक्शन, गांजा सहित कई तरह के नशे बेचते हैं, इससे गांव के युवाओं का भविष्य खतरे में हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यहां करीब 100 से ज्यादा परिवार रहते हैं, दिन में लोगों की संख्या काफी कम होती है, लेकिन रात को अचानक बढ़ जाती है। कुछ संदिग्ध लोग भी इनके पास आते हैं।

5 साल से रह रहे, ग्रामीण कहेंगे तो चले जाएंगे

मुस्लिम परिवारों में से एक व्यक्ति सनोवर ने बताया कि हम पहले महम में ही दूसरी जगह रहते थे। यहां किशनगढ़ में करीब पांच साल से रहे रहे हैं। कूड़ा बीनते हैं और अपने परिवारों को पाल रहे हैं। अब ग्रामीणों ने हमें यहां से प्लॉट खाली करने के लिए बोला है। ग्रामीण कहेंगे तो हम झुग्गी झोपड़ी खाली करके चले जाएंगे, लेकिन ग्रामीण जो आरोप लगा रहे हैं, वो गलत हैं। आज तक हमारी कोई शिकायत नहीं है। हम असम के रहने वाले हैं न कि बंग्लादेश के, पुलिस वेरिफिकेशन भी कर चुकी है।

पंचायत पर टिकीं निगाहें

अल्टीमेटम के अनुसार 10 दिन बाद यानी बुधवार को पंचायत होनी है। यह पंचायत महम चौबीसी के चबूतरे पर होगी और लोगों की कोशिश है कि चौबीसी के सभी गांव पंचायत में शामिल हों। इस पंचायत पर प्रशासन और इन मुस्लिम परिवारों की निगाहें टिकी हुई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत में जो भी फैसला होगा, सर्वमान्य होगा।

प्लाट में हैं 100-150 झुग्गियां

किशनगढ़ में गांव के ही व्यक्ति का खाली प्लॉट है। इसी प्लॉट में झुग्गियों में रहते हैं। एक झुग्गी का किराया 1 हजार रुपये है। यहां करीब 100-150 झुग्गियां हैं।

बच्चों को पढ़ाने आता है टीचर

इन मुस्लिम परिवारों से बात की गई तो बताया कि उनके बच्चों को पढ़ाने के लिए एक अध्यापक भी आते हैं। ये अध्यापक हमारे बच्चों को निशुल्क शिक्षा देते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हमें गांव वालों की ओर से यहां से जाने के लिए कहा गया है, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं।

शहर में 500 बंदर पकड़ने का लक्ष्य

विशेष अभियान चलाने का फैसला | प्रति बंदर 1100 रुपये देगा निगम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर में बढ़ते बंदरों के आतंक को देखते हुए नगर निगम ने अब विशेष अभियान चलाने का फैसला लिया है। निगम प्रशासन ने फिलहाल 500 बंदरों को पकड़ने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए ठेकेदार को प्रति बंदर 1100 रुपये का भुगतान किया जाएगा। यदि संख्या अधिक पाई गई तो यह राशि और दायरा दोनों बढ़ाए जा सकते हैं।

निगम अधिकारियों का कहना है कि हाल के दिनों में बंदरों से संबंधित शिकायतों में तेजी आई है। लोगों ने घरों में घुसकर सामान नुकसान करने, बच्चों व बुजुर्गों को काटने और राहगीरों पर झपटने जैसी घटनाओं की जानकारी दी है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद निगम ने यह कदम उठाया है। कुछ मोहल्लों में बंदरों ने कपड़े, पानी की टंकियों और सोलर पैनलों तक को नुकसान पहुंचाया है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों में खड़ी फसल को भी नुकसान होने की शिकायतें मिली हैं। ऐसे में शहरवासियों ने निगम से स्थायी समाधान की मांग की है। प्रति बंदर 1100 रुपये की दर से यदि 500 बंदर पकड़े जाते हैं तो निगम को करीब 5.5 लाख रुपये खर्च करने होंगे। यदि संख्या बढ़ती है तो खर्च भी बढ़ेगा। नागरिकों का कहना है कि समस्या अस्थायी रूप से हल करने के बजाय बंदरों की बढ़ती आबादी पर दीर्घकालिक योजना बनानी चाहिए।

सवाल यह कि निगम केवल 500 बंदरों को ही पकड़ने का ठेका क्यों दे रहा है, सभी का क्यों नहीं?

1 शहर में हजारों की तादाद में हैं बंदर

हालांकि शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों की बात करें तो स्थानीय लोगों का दावा है कि बंदरों की संख्या एक हजार से भी ज्यादा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि निगम ने केवल 500 बंदरों को पकड़ने का ही लक्ष्य क्यों तय किया है। अधिकारियों का तर्क है कि पहले चरण में 500 बंदरों को पकड़ने का लक्ष्य रखा गया है। स्थिति की समीक्षा के बाद आगे की योजना बनाई जाएगी।

2 बंदरों को पकड़ने के लिए अधिकृत टीम जल्द पहुंचेगी रोहतक

निगम के एक अधिकारी ने बताया कि बंदरों को पकड़ने के लिए अधिकृत टीम जल्द ही रोहतक पहुंचेगी, जो सुरक्षित तरीके से उन्हें पकड़कर निर्धारित स्थान पर छोड़ेगी। वन विभाग के दिशा-निर्देशों के तहत ही पूरी प्रक्रिया अपनाई जाएगी, ताकि किसी प्रकार की क्रूरता या नियमों का उल्लंघन न हो।

3 छतों से गलियों तक पहुंचा आतंक

स्थानीय निवासियों का कहना है कि पहले बंदर अधिकतर मकानों की छतों पर दिखाई देते थे, लेकिन अब वे गलियों में भी खुलेआम घूमते नजर आते हैं। कई इलाकों में बंदर दुकानों के सामने बैठ जाते हैं और खाने-पीने का सामान छीन लेते हैं। स्कूल जाते बच्चों और बाजार में खरीदारी करने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

500 के बाद अन्य बंदरों को पकड़कर जंगलों में छोड़ा जाएगा

फिलहाल 500 बंदरों का ही ठेका दिया है, लेकिन साथ ही साथ अन्य जगहों से भी बंदरों को पकड़ा जाएगा। आमजन को इसके लिए परेशान नहीं होने दिया जाएगा। 500 के बाद अन्य बंदरों को भी पकड़कर जंगलों में छोड़ा जाएगा।
-नमिता कुमारी, संयुक्त आयुक्त, नगर निगम

जयपाल शर्मा बने सुनारियां मंडल के महामंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सुनारियां मंडल अध्यक्ष दिनेश धनखड़ ने गांव सुनारियां निवासी जयपाल वशिष्ठ को मंगलवार को महामंत्री नियुक्त किया। साथ ही बलियाना निवासी नरेंद्र उर्फ बंटी को मंडल उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनियुक्त महामंत्री जयपाल शर्मा ने कहा कि उन्हें संगठन की ओर से सौंपी गई जिम्मेदारी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाने का संकल्प है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को हर घर तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे। उनका उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना और स्थानीय स्तर पर जनप्रतिनिधित्व को सुदृढ़ बनाना है। जयपाल वशिष्ठ ने विशेष रूप से बीजेपी जिला एडवोकेट रणवीर ढाका, पूर्व मंडल अध्यक्ष संदीप बुधवार और पूर्व जिला सचिव जितेंद्र अत्री का आभार जताया।

अनुशासन व चरित्र को प्राथमिकता दें युवा

हिंदू महाविद्यालय के 50वें वार्षिक क्रीड़ा सम्मेलन में हिंदू प्रबंध समिति के प्रधान श्याम कपूर ने किया युवाओं को संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बुधवार को हिंदू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार तनेजा की अध्यक्षता में 50 वें वार्षिक क्रीड़ा सम्मेलन का हुआ इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हिंदू प्रबंध समिति के प्रधान श्याम कपूर रहे। प्राचार्य ने कहा कि किताबें हमें ज्ञान देती है परंतु खेल हमारे जीवन में अनुशासन, साहस, नेतृत्व करने की क्षमता को विकसित करता है। मुख्य अतिथि श्याम कपूर ने कहा कि युवा भावी भविष्य की निर्माता होते हैं युवाओं से अपील है कि जीवन में सफलता के लिए ,अनुशासन एवं चरित्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। सभी संकायों के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम में विजेताओं को पदक व प्रमाण पत्र प्रदान किये। मुख्य अतिथि व अन्य को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. प्रवीण ने किया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रदीप ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रबंध समिति के महामंत्री संजय आहूजा, उपप्रधन गुलशन ढींगरा, कोषाध्यक्ष जतिन लूथरा, प्रबंधक भारत भूषण बठला, प्रबंधक राजेश मक्कड़ , गुलशन राय ढल, कृष्ण लाल आदि उपस्थित रहे।

100 मीटर दौड़ (लड़कियां)

पद	छात्र	कक्षा
प्रथम	हिमांशी	बीएजेएमसी III
द्वितीय	दीप्ति	बी.ए III
तृतीय	तमन्ना	बी.ए I

शॉटपुट (लड़कियां)

पद	छात्र	कक्षा
प्रथम	दीप्ति	बी.ए III
द्वितीय	रुद्राक्षी	बी.एIII
तृतीय	सानवी	बी.कॉम II

लंबी कूद (लड़कियां)

पद	छात्र	कक्षा
प्रथम	हिमांशी	बीएजेएमसी III
द्वितीय	दीप्ति	बी.ए III
तृतीय	तमन्ना	बी.ए I

200 मीटर दौड़ (लड़कियां)

पद	छात्र	कक्षा
प्रथम	हिमांशी	बीएजेएमसी III
द्वितीय	दीप्ति	बी.ए III
तृतीय	तमन्ना	बी.ए I

400 मीटर दौड़ (लड़कियां)

पद	छात्र	कक्षा
प्रथम	हिमांशी	बीएजेएमसी III
द्वितीय	दीप्ति	बी.ए III
तृतीय	तमन्ना	बी.ए I

200 मीटर दौड़फाइनल (लडके)

पद	छात्र	कक्षा
प्रथम	मुकुल	बी.ए III
द्वितीय	विजय	बी.ए I
तृतीय	निखिल	बी.ए III

लंबी कूद(लडके)

पद	छात्र	कक्षा
प्रथम	हन्नी	बी.ए II
द्वितीय	देवव्रत	बी.ए III
द्वितीय	मोहित	बीसीए III
तृतीय	निखिल	बी.ए III

100 मीटर दौड़(लडके)

पद	छात्र	कक्षा
प्रथम	मुकुल	बी.ए III
द्वितीय	हन्नी	बी.ए II
तृतीय	देवव्रत	बी.ए III

एचडी पब्लिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय अध्ययन आदान-प्रदान कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एचडी पब्लिक स्कूल में स्टडी एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत एक प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित किया गया, जो विद्यालय की वैश्विक दृष्टि और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक बना। यह कार्यक्रम विद्यालय के निदेशक सुरेंद्र सिंह फोगाट के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सत्र का संचालन अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त, बहुभाषी विदुषी एवं शिक्षण-मनोविज्ञान की विशेषज्ञ नोएमी पते फौगाट द्वारा किया गया। वे बेल्जियम और फ्रांस की दोहरी नागरिकता धारक, अंग्रेज़ी-फ्रेंच-डच भाषाओं में पारंगत और शिक्षा में द्वि-स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त अनुभवी शिक्षिका हैं। उन्होंने अपने सशक्त व्यक्तित्व और प्रभावशाली प्रस्तुति शैली के माध्यम से समकालीन शिक्षण-रणनीतियों, वैश्विक कक्षा-पद्धतियों और आधुनिक शिक्षण दृष्टिकोण पर सारगर्भित और प्रेरणादायक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की संयोजिका सविता जॉर्ज ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अकादमिक निदेशक कृष्णा बल्हारा फौगाट ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए नई सोच, नवीन दृष्टिकोण और वैश्विक शिक्षा मानकों के प्रति जागरूकता प्रदान करते हैं।

दि बुद्धिस्ट सोसायटी की कार्यकारिणी का गठन

रोहतक। अंबेडकर भवन में दि बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया (भारतीय बौद्ध महासभा) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें हरियाणा प्रदेश कार्यकारिणी का गठन राष्ट्रीय नेतृत्व की उपस्थिति में संपन्न हुआ। यह ऐतिहासिक संस्था वर्ष 1955 में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा स्थापित की गई थी, जिसका उद्देश्य बुद्ध धम्म, सामाजिक न्याय और समता के सिद्धांतों का प्रसार करना है।

खबर संक्षेप

मदवि की बनीता कुमारी ने जीते दो स्वर्ण

रोहतक। मदवि में इंटर कॉलेज कराटे में बनीता कुमारी ने दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। उन्होंने व्यक्तिगत +68 किग्रा) वर्ग तथा टीम कुमिते स्पर्धा में प्रथम स्थान हासिल किया। उनका चयन नॉर्थ ईस्ट ज़ोन यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए हुआ है। इंचार्ज अनिल भारद्वाज ने उन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया।

नियम सर्वोपरि: कुलसचिव डॉ. कृष्णाकांत

रोहतक। मदवि के कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने विवि के सभी शाखा प्रभारियों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर प्रशासनिक कार्यों में विवि अधिनियम, विधान एवं नियमावली के अक्षरशः पालन के कड़े निर्देश दिए। कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने स्पष्ट कहा कि विवि प्रशासन में नियम ही सर्वोपरि हैं और प्रत्येक फाइल की मूवमेंट पूर्णतः नियमसम्मत, तथ्याधारित एवं पारदर्शी होना चाहिए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक फाइल्स में समस्त तथ्य एवं आंकड़े अधिकृत हस्ताक्षर सहित संलग्न हों तथा सभी फाइल्स निर्धारित क्रम में तैयार होकर अनिवार्य रूप से कुलसचिव कार्यालय से ही प्रेषित की जाएं। कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने कहा कि प्रशासनिक शुचिता और जवाबदेही विवि की प्रतिष्ठा का आधार हैं। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा की कि वे निष्ठा, निर्भीकता और निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा विवि परिवार और समस्त हितधारकों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि फाइल्स मूवमेंट की प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर कुलसचिव कार्यालय की उपेक्षा अथवा अवहेलना स्वीकार्य नहीं होगी। बैठक में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक सुदृढ़, अनुशासित और परिणामोन्मुख बनाने पर भी गंभीरतापूर्वक विचार-विमर्श किया गया। इस बैठक में विभिन्न शाखाओं के प्रभारी शामिल हुए।

8.40 लाख की ठगी, गिरोह का आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। डोमिनोज की फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर 8 लाख 40 हजार 500 रुपये की ठगी करने के आरोपी अमान पुत्र रहीसुद्दीन निवासी पंजाब को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया है। थाना साइबर के प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि विजय नगर, रोहतक निवासी रमन की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच में सामने आया कि रमन गोहाना में डोमिनोज की फ्रेंचाइजी के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। 13 नवंबर 2025 को विजय नाम युवक का फोन आया और उसने फ्रेंचाइजी के लिए 35 से 40 लाख रुपये का निवेश करने की बात कही। सहमति देने पर आधार कार्ड और बैंक विवरण ईमेल पर मंगवाए गए। शॉर्टलिस्ट होने की सूचना देकर 2 लाख 65 हजार 500 रुपये फ्रेंचाइजी शुल्क, एनओसी के लिए 5 लाख 75 हजार रुपये जमा करवा लिए। एफएसएसएआई लाइसेंस के नाम पर 9. 55 लाख रुपये और मांगे तो शक होने पर रमन नोएडा स्थित कंपनी कार्यालय पहुंचा, जहां सभी दस्तावेज फर्जी पाए गए। उससे कुल 8 लाख 40 हजार 500 रुपये की ठगी की गई।

'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' अभियान 22 को

रोहतक। मानव सेवा और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से संत निरंकारी मिशन द्वारा 'प्रोजेक्ट अमृत' के अंतर्गत 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' अभियान का चौथा चरण रविवार, 22 फरवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा। माता सुदीक्षा महाराज के पावन निर्देशानुसार यह अभियान देशभर में एक साथ सुबह 8 से 11 बजे तक चलेगा। रोहतक शाखा की ओर से यह कार्यक्रम तिलियार झील पर स्वच्छता अभियान के रूप में आयोजित होगा।

आईएचएम रोहतक में हुआ एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम

रोहतक। एमएसएमई द्वारा,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार की ई-एसडीपी योजना के अंतर्गत वीरवार को होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम) रोहतक में एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान के व्याख्याता विकास देशवाल ने बताया की इस कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के प्राचार्य शंभू नाथ गौतम के स्वागत संबोधन से हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वरोजगार एवं उद्यमिता को एक सशक्त करियर विकल्प के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया तथा एमएसएमई मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं की सराहना की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं के रूप में आर.के.सिंह विभागाध्यक्ष-प्रशिक्षण, एमएसएमई रोहतक, रचना त्रिपाठी सहायक निदेशक, शाखा कार्यालय भिवानी, कपिल मित्तल (संयुक्त निदेशक, राज्य एमएसएमई, हरियाणा सरकार तथा राहुल,राज्य एमएसएमई कार्यालय, हरियाणा सरकार ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। वक्ताओं ने उद्यमिता के अवसरों, स्वरोजगार योजनाओं, सरकारी सहायता, स्टार्टअप समर्थन एवं एमएसएमई रोहतक द्वारा उपलब्ध प्रशिक्षण सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के साथ संवाद सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने अपने प्रश्नों के उत्तर प्राप्त किए। कार्यक्रम में लगभग 70 विद्यार्थियों तथा स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया ।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
REQUIRES
- BAMS 2
- RMO 2
- PRO 2
- NURSING STAFF 4
- ACCOUNTANT 1
- COMPUTER OPERATOR 2
- RECEPTION 2
- WARD BOY 4
- SWEEPER 2

जय श्री बाला जी महाराज
SHRI BALA JI INSTITUTE OF PARAMEDICAL SCIENCE
DR. S.K. SAINI Director
AUTHORIZED ADMISSION CENTRE OF SUGUNA SCHOOL OF NURSING BANGLORE
BHUVAN SCHOOL OF NURSING, DR. K.T.V. BANGLORE
पिछले 25 वर्षों से लगातार जनसेवा में कार्यरत संस्थान। सीमित सीटें। पहले आयें- पहले पायें छात्रावास सुविधा उपलब्ध
DIPLOMA IN G.N.M. (MIF)
योग्यता :- 12th किसी भी विषय में) अवधि :- 3½ वर्ष कुल सीटें :- 60 दाखिला फीस - 25000/year
परीक्षा स्थान :- बैंगलोर
DIPLOMA IN PHARMACY
योग्यता:- 12th साईंस अवधि:- 2 वर्ष सीटें :- 60 दाखिला फीस: 25000/- year परीक्षा स्थान :- बैंगलोर
नियमित कक्षायें ऑनलाईन व ऑफलाईन दोनों मोड़ में। 5000 Rs मासिक फीस देकर निश्चित सफलता के साथ कोर्स पूरा करें। आज ही अपने प्रमाष-पत्रों के साथ आकर मिले।
DR. S.K. SAINI (Director)
9254233221
रोहतक:- 41/29, चाणक्य पुरी, शीला सिनेमा के पीछे
बहादुरगढ़:- पिल्लर नं. 851 के सामने, पुराना बराही रोड पर।
सोनीपत :- HDF C बैंक के सामने, छोटू राम चौक।

कार्यक्रम महर्षि दयानंद विवि के टैगोर ऑडिटोरियम में संगीत महोत्सव का आयोजन

किराना घराने की स्वर साधना से गूंजा 'रंग सुर'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विवि के टैगोर ऑडिटोरियम में आयोजित रंग सुर संगीत महोत्सव का समापन किराना घराने की सुप्रसिद्ध गायिका विदुषी संहिता नंदी की मनमोहक प्रस्तुति के साथ हुआ। उनके सुरों ने पूरे सभागार को शास्त्रीय संगीत की मधुर अनुभूति से सराबोर कर दिया। संहिता नंदी ने अपनी गायन प्रस्तुति की शुरुआत गंभीर एवं भावपूर्ण विलंबित खयाल से की, जिसमें किराना घराने की विशेषता-स्वरों की शुद्धता, विस्तार और सूक्ष्म आलाप-स्पष्ट रूप से झलकी। राग की गहराई और तान की बारीकियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। द्रुत खयाल तथा तराना की प्रस्तुति ने कार्यक्रम को ऊर्जावान बनाया।

किराना घराना, जो स्वर-साधना और राग के सूक्ष्म विस्तार के लिए प्रसिद्ध है, उसकी परंपरा को विदुषी नंदी ने अत्यंत गरिमा के साथ मंच पर जीवंत किया। उनके गायन में भाव, तकनीक और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। शास्त्रीय प्रस्तुति उपरांत संहिता नंदी ने गजल- आज जाने की ज़िद न करो गाकर उपस्थित जान को मन्त्र मुग्ध कर दिया। नजरिया लागे नहीं कही और गाकर गजल गायिका की शानदार बानगी पेश की। गायन कार्यक्रम का समापन खूबसूरत वेदना भरा बांग्ला गान सुनाकर संगीत की सार्वभौमिकता उन्होंने प्रदर्शित की। सहिंता नंदी ने के गायन प्रस्तुति में तरुण जोशी ने हारमोनियम पर तथा नितिन शर्मा ने तबला पर संगत दी।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ गायिका विदुषी संहिता नंदी,प्रो. हरीश कुमार , प्राध्यापक सुनित मुखर्जी,प्रो. सविता राठी, डॉ. दर्शना चौधरी व डॉ मंजू बतरा। फोटो : हरिभूमि

संहिता नंदी की गायन प्रस्तुति पूर्व संगीत विभाग के विद्यार्थियों ने प्राध्यापक सुरेंद्र की अगुवाई में शानदार सितार वादन प्रस्तुति दी। इनमें अभिषेक, अनीश, देव शर्मा, मोनिका, निकिता, कोमल ठाकुर तथा मुस्कान मोरवाल शामिल रहे। प्रतिष्ठित तबला वादक अर्विभाव वर्मा ने तबला पर शानदार संगत दी। कार्यक्रम का सुन्दर संचालन प्राध्यापक डॉ सौरभ वर्मा ने किया। प्रो. हरीश कुमार ने स्वागत भाषण देते हुए जीवन में संगीत की महत्ता को रेखांकित किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रो. सविता राठी, डॉ. दर्शना चौधरी, डॉ मंजू बतरा समेत रोहतक एवं एमडीयू के संगीत प्रेमी जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन सहयोग छात्र कल्याण कार्यालय ने दिया।

खबर संक्षेप

छात्रों को अनुशासन का महत्व बताया

रोहतक। राजकीय महाविद्यालय जसिया में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर के छठे दिन का आयोजन उत्साह, अनुशासन और जागरूकता के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः प्रार्थना से हुई, जिसके बाद स्वयंसेवकों ने योग एवं प्राणायाम का अभ्यास कर शारीरिक और मानसिक संतुलन का संदेश दिया।

पेंशन चालू करवाने के लिए दिव्यांग काट रहा चक्कर

महम। कस्बा महम के वार्ड 4 निवासी सुरेंद्र कुमार पुत्र गणपत राय का कहना है कि वह 60 फीसदी दिव्यांग है। समाज कल्याण विभाग ने उसकी दिव्यांग पेंशन बना रखी थी। लेकिन पिछले एक साल पहले उसकी दिव्यांग पेंशन बंद कर दी गई। अपनी पेंशन चालू करवाने के लिए वह पिछले एक साल से सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहा है।

जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक कल

रोहतक। उपायुक्त ने बताया कि जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक 21 फरवरी को प्रातः 11 बजे जिला विकास भवन स्थित डीआरडीए सभागार में आयोजित की जाएगी। इसकी अध्यक्षता विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार करेंगे।

गर्मी से पहले अलर्टः जिले में बिजली निगम की व्यापक तैयारियां पूरी

बिजली के कटों से मिलेगी राहत

निगम ने 534 ट्रांसफार्मर बदले 90% तारों का किया नवीनीकरण

उपभोक्ताओं को अधिक स्थिर विद्युत आपूर्ति मिलने की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिले में आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए बिजली निगम ने अपनी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। बढ़ती तापमान के साथ बिजली की मांग में होने वाली संभावित वृद्धि को ध्यान में रखते हुए निगम ने पिछले आठ महीनों में व्यापक स्तर पर सुधार कार्य किए हैं। निगम के अधिकारियों के अनुसार इस अवधि में कुल 534 ट्रांसफार्मर बदले गए हैं, जिससे ओवरलोडिंग और फॉल्ट की समस्या में काफी कमी आने की उम्मीद है।

इसके साथ ही 90 प्रतिशत जर्जर और पुराने बिजली तारों को भी बदल दिया गया है। वर्षों पुराने तारों के कारण बार-बार ब्रेकडाउन और स्पार्किंग की शिकायतें आती थीं, जो गर्मी के मौसम में आगजनी का कारण भी बन सकती थीं। निगम का दावा है कि अब इन समस्याओं में उल्लेखनीय कमी आएगी और उपभोक्ताओं को अधिक स्थिर विद्युत आपूर्ति मिल सकेगी।

टूटे पोल भी बदले, नेटवर्क हुआ मजबूत

बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए निगम की टीम ने उन स्थानों की भी पहचान की, जहां बिजली के पोल टूटे या झुके हुए थे। ऐसे सभी पोलों को बदलने का कार्य पूरा कर लिया गया है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर यह काम किया गया। अधिकारियों का कहना है कि कई स्थानों पर पुराने पोल तेज आंधी या बारिश में गिरने की आशंका बने रहते थे, जिससे बिजली बाधित होती थी। अब नए पोल लगाए जाने से लाइन लॉस और दुर्घटनाओं की संभावना भी कम होगी।

दस मोबाइल ट्रांसफार्मर रखे तैयार

गर्मी के दिनों में अचानक ट्रांसफार्मर जलने या फेल होने की घटनाएं आम हो जाती हैं। ऐसे में बिजली बहाली में देरी से लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। इसे देखते हुए बिजली निगम ने 10 मोबाइल ट्रांसफार्मर तैयार रखे हैं। ये मोबाइल ट्रांसफार्मर जरूरत पड़ने पर तुरंत प्रभावित क्षेत्र में पहुंचाए जा सकेंगे और अस्थायी रूप से बिजली आपूर्ति बहाल की जा सकेगी। अधिकारियों के मुताबिक, पहले ट्रांसफार्मर खराब होने पर उसे वर्कशॉप भेजने और नया लगाने में काफी समय लग जाता था, जिससे उपभोक्ताओं को कई घंटों या कभी-कभी दिनों तक इंतजार करना पड़ता था। अब मोबाइल ट्रांसफार्मर व्यवस्था से यह समय काफी घट जाएगा।

बिजली निगम का दावा शिकायतों में आएगी कमी

बिजली निगम के अनुसार पहले ऑनलाइन और ऑफलाइन मिलाकर हर महीने 300 से अधिक शिकायतें दर्ज होती थीं। इनमें लो वोल्टेज, ट्रिपिंग, फ्यूज उड़ना और ट्रांसफार्मर फेल होना जैसी समस्याएं प्रमुख थीं। निगम का दावा है कि व्यापक सुधार कार्यों के बाद शिकायतों का स्तर काफी नीचे आएगा। निगम ने कंट्रोल रूम को भी सक्रिय किया है और शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए टीमों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। अधिकारियों ने बताया कि गर्मी के दौरान 24 घंटे निगरानी रखी जाएगी और किसी भी बड़ी तकनीकी खराबी पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

8 महीने में चला विशेष अभियान

बिजली निगम ने यह पूरा कार्य पिछले आठ महीनों में चरणबद्ध तरीके से पूरा किया है। पहले चरण में जर्जर लाइनों और ट्रांसफार्मरों की सूची तैयार की गई, दूसरे चरण में सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की गई और तीसरे चरण में फील्ड स्तर पर टीमों को लगाकर कार्य संपन्न कराया गया। निगम अधिकारियों का कहना है कि इस बार गर्मी में बिजली कटौती को न्यूनतम रखने का प्रयास किया जाएगा। खासकर परीक्षा और फसल सीजन को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है।

उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील

बिजली निगम ने उपभोक्ताओं से भी सहयोग की अपील की है। यदि कहीं ढीले तार, स्पार्किंग या अन्य तकनीकी समस्या दिखाई दे तो तुरंत सूचना दें। अवैध कनेक्शन और ओवरलोडिंग से बचने की भी सलाह दी गई है, क्योंकि इससे ट्रांसफार्मर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।
-बिजेंद्र नरवाल, एसई रोहतक

1500 वोटों तक की ग्राम पंचायत में सदस्यों की संख्या होगी 10 से 20

हर पंचायत में गठित होंगे युवा क्लब

- 2000 तक मतदाता वाली पंचायत में 15 से 20
- 2 हजार से ज्यादा मत वाली पंचायत में भी बनेगे बीस ही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कौशल प्रशिक्षण, स्वास्थ्य और स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति अभियान समेत दूसरी सामाजिक गतिविधियों का संचालन करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में युवाओं के क्लब गठित किए जाएंगे। इसके लिए पूरा खाका तैयार है। जिसके तहत 1500 वोटों तक की ग्राम पंचायत में क्लब के सदस्यों की संख्या होगी 10 से 20, 2000 तक में 15 से 20 और 2 हजार से ज्यादा मतों वाली वाली पंचायत में भी मैंबर की संख्या भी 20 ही रहेंगी। यानी के क्लब सदस्यों की संख्या 20 अधिक किसी भी सूरत में नहीं होगी। क्लब गठन स्थानीय स्तर पर विकास और सामुदायिक भागीदारी में युवाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना है।

युवा क्लब के एक ऐसा संगठित समूह होता है जहां युवा नियमित रूप से इकट्ठा होकर सीखते हैं। एक-दूसरे से जुड़ते हैं और बड़ों के मार्गदर्शन में सक्रिय भूमिका निभाते हैं । इसे किशोर सहायता समूह के रूप में भी जाना जाता है। केवल खेल तक सीमित नहीं रहेंगे। सरकार की सोच है कि युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ा रखा जाए। ताकि वे नशे और दूसरी कुरतियों से दूर रहें। राष्ट्र की प्रगति तभी संभव है जब समाज नशा मुक्त हो। नशा हमारी युवा पीढ़ी को कमजोर कर रहा है और यह देश की रीढ़ को तोड़ने का काम कर रहा है। इस बुराई के खिलाफ सरकार लगातार लड़ रही है। अब इस लड़ाई क्लबों के युवक शामिल करके इसे और तेज किया जाएगा।

हरियाणा से नशे की बुराई को जड़ से समाप्त किया जाए और एक उज्ज्वल, स्वस्थ समाज का निर्माण किया जाए, ये सोच सरकार की है। युवाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति को लेकर सरकार काफी चिंतित है। सरकार को जो अपेक्षित परिणाम अब तक चलाए गए अभियानों से मिलने चाहिए थे, वे नहीं मिले हैं। नशा मुक्ति को जन-आंदोलन का रूप दें सरकार देना चाहती है। और ये तभी संभव जब ज्यादा से ज्यादा युवा इसमें रोल अदा करें।

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

नेहरू युवा केंद्र के तहत करेंगे कार्य

गांवों में गठित किए जा रहे क्लब नेहरु युवा केंद्र के तहत कार्य करेंगे। क्योंकि नेहरू युवा केंद्र युवाओं की गतिविधियों काफी साल से संचालित कर रहा है। केंद्र द्वारा समय-समय पर गांवों में कई प्रकार की गतिविधियां कराई जाती हैं। खास युवाओं को जागरूक करने वाली। खेलों का आयोजन भी अब केंद्र द्वारा लगातार कराया जा रहा है। क्लब के सदस्यों में से एक उसका संयोजक बना दिया जाएगा।

ये हैं शर्ते

- ▶▶ युवक-युवतियों की उम्र 15 से 29 साल तक होनी चाहिए
- ▶▶ उसी ग्राम पंचायत के हों
- ▶▶ उनका पंजीकरण माई भारत पोर्टल पर होना चाहिए

नर्सिंग कैडर ने सीएम से की ऑनलाइन तबादला नीति वापस लेने की मांग

रोहतक। हरियाणा में नर्सिंग कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से ऑनलाइन तबादला नीति को रद्द करने की मांग की। प्रदेशभर से आई नर्सिंग ऑफिसर्स ने संत कबीर कुटीर में मुख्यमंत्री को पत्र सौंपकर कहा कि नीति लागू होने पर महिला कर्मचारियों और उनके परिवारों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। बच्चों की पढ़ाई, परिवार की देखभाल और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होगा। कोविड-19 के दौरान योगदान देने वाले नर्सिंग स्टाफ की वर्तमान तैनाती स्थलों पर दक्षता भी बनी रहती है।

‘प्रशासन आपके गांव’ कार्यक्रम से ग्रामीण समस्याओं के समाधान की समीक्षा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

प्रशासन की नई पहल के तहत 20 फरवरी को गांव रिटौली तथा 25 फरवरी को बैंसी में प्रशासन आपके गांव के तहत कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों में उपमंडल स्तर के अधिकारी उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने वीरवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में समाधान शिविर के उपरांत अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे प्रशासन आपके गांव कार्यक्रम में पहुंचकर विभाग से संबंधित सुविधाओं व सेवाओं की समीक्षा करें तथा ग्रामीणों से संवाद करें। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों में जिला प्रशासन के अधिकारी ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं जानेंगे तथा समस्याओं का यथासंभव मौके पर निपटारा करेंगे। इसके अलावा गांव में उपलब्ध सुविधाओं की भी समीक्षा की जाएगी तथा ग्रामीणों को कल्याणकारी योजनाओं बारे जागरूक भी किया जायेगा।

मीटिंग में अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने कहा कि प्रशासन आपके गांव कार्यक्रम में अधिकारी केवल स्टॉल लगाने तक सीमित न रहे, बल्कि गांव में संबंधित विभाग के लाभार्थियों की जांच करें तथा ग्रामीणों को योजनाओं के बारे में जागरूक भी करें।

बहलबा में सास-बहू के साथ मारपीट, तीन के खिलाफ केस दर्ज

महम। महम थाना क्षेत्र के गांव बहलबा में सास-बहू के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में बहलबा गांव के पाना बजाण निवासी शर्मिला पत्नी विजयपाल ने बताया कि वह दोपहर एक बजे अपने नए मकान से पुराने मकान की ओर जा रही थी। तभी अचानक वहां पर घात लगाए बैठे नवीन पुत्र मांगे, सुनीता पत्नी मांगे और पूजा पत्नी संदीप ने उसके ऊपर जानलेवा हमला कर दिया। उन्होंने उसके सिर में लाठी, डंडे मारे। उसके सिर में गहरी चोट लगने की वजह से वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गई। झगड़े की आवाज सुनकर उसकी पुत्रवधु प्रिया भी वहां आ गई। वह उसको उठाकर ले जाने लगी तो प्रिया के साथ भी मारपीट की।

विद्यार्थियों को एड्स के प्रति किया जागरूक

- सुरक्षित व्यवहार और सामाजिक संवेदनशीलता के महत्व पर डाला प्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपकार हाई स्कूल में सरकार द्वारा चलाए जा रहे सघन आईईसी अभियान के तहत एचआईवी/एड्स जागरूकता गतिविधि का आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया। यह कार्यक्रम डॉ. राम भगत के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान डॉ. राम भगत और राजीव दलाल ने डाइट मदीना में आयोजित व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों को एचआईवी/एड्स से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी।

उन्होंने विद्यार्थियों को जागरूकता, बचाव के उपाय, सुरक्षित व्यवहार और सामाजिक संवेदनशीलता के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। इस अवसर पर विद्यालय में पोस्टर निर्माण, भाषण और रंगोली प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता का संदेश रचनात्मक और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इन गतिविधियों ने छात्रों में विषय के प्रति समझ और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा दिया। विद्यालय प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, डॉ. राम भगत और राजीव दलाल के अमूल्य योगदान की सराहना की। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया ताकि छात्रों और समुदाय को स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति सजग बनाया जा सके। इस पहल ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी चेतना के महत्व के प्रति प्रेरित किया और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया।

समाधान शिविर में सुनीं शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे समाधान शिविर में प्राप्त हर शिकायत का यथाशीघ्र उचित निपटारा करवाना सुनिश्चित करें। अधिकारी समाधान शिविरों की लंबित शिकायतों के स्थायी समाधान के लिए संबंधित नागरिक से संवाद कर उन्हें विभाग द्वारा की जा रही कार्रवाई की जानकारी देकर संतुष्ट करें। कुमार वीरवार को लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। शिविर में नगर निगम के संयुक्त आयुक्त मनजीत सिंह एवं जिला राजस्व अधिकारी प्रमोद चहल डीएमसी जितेंद्र सिंह, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के कार्यकारी अभियंता रामेंद्र मलिक, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. सतपाल सहित संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी मौजूद रहे। जिला मुख्यालय के अलावा सांपला व महम उपमंडल मुख्यालयों पर भी समाधान शिविर आयोजित किये गए। महम में उपमंडलाधीश विपिन कुमार की अध्यक्षता में आयोजित समाधान शिविर में 4 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनके निपटारे के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए।

सीजेएम ने अर्पण संस्थान का किया निरीक्षण

रोहतक। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान ने वीरवार को अर्पण संस्थान का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया तथा उपस्थित बच्चों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आमजन तक न्याय को सरल एवं सुलभ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।सचिव खान ने बच्चों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जा रही निःशुल्क विधिक सहायता, परामर्श, मध्यस्थता एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि जरूरतमंद एवं पात्र व्यक्तियों को प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध करवाई जाती है।

रोहतक। अर्पण संस्थान का औचक निरीक्षण के दौरान बच्चों से बातचीत करते सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान ।

महम के गांवों में तीन दिन तक बाधित रहेगी बिजली

महम। उत्तरी हरियाणा बिजली वितरण निगम के 33 के वी सब स्टेशन महम के अंतर्गत आने वाले सभी गांवों की बिजली आगामी तीन दिन तक बाधित रहेगी। एसडीओ संजीत मुदगल ने बताया कि पावर हाउस महम में लगे 12.5 एमवीए के ट्रांसफारमर की क्षमता बढाई जा रही है। इस कारण 21 फरवरी से 23 फरवरी तक सुबह 08 बजे से शाम 7 बजे तक महम वन, महम अशोक नगर, किशनगढ़, टेलीफोन एक्सचेंज, सिविल अस्पताल, सीसर एपी, पब्लिक हैल्थ, बांके बिहारी आयल मिल, बहलबा आरडीएस और सीसर जगमग की सप्लाई बाधित रहेगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

सिंगल यूज प्लास्टिक बेचने पर पांच चालान किए

संयुक्त आयुक्त ने रोड स्वीपिंग, कचरा उठान, नालों की साफ-सफाई की व्यवस्था का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

निगम आयुक्त के आदेशों की अनुपालना में सफाई कार्य का औचक निरीक्षण संयुक्त आयुक्त नमिता कुमारी द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान रोड़ स्वीपिंग, कचरा उठान, सड़क किनारे जमा गंदगी, नाला सफाई तथा सफाई कर्मचारियों की कार्यप्रणाली एवं उपस्थिति की बारीकी से जांच की गई। इसके अतिरिक्त निगम की टीम द्वारा भिवानी रोड़ पर वार्ड सदस्य प्रतिनिधि जितेन्द्र रोहिला की उपस्थिति में विशेष सफाई अभियान चलाया गया।

नगर निगम आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि निरीक्षण के समय जहां-जहां सफाई व्यवस्था में कमियां पाई गईं, वहां मौके पर ही सफाई शाखा के अधिकारियो को तुरंत प्रभाव से सफाई व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिए गए। पूर्व में हर निर्देश दिए जा चुके है कि मुख्य सड़कों पर किसी भी प्रकार की गंदगी या कचरा दिखाई नहीं देना चाहिए, क्योंकि ये मार्ग शहर की पहचान होते हैं, गंदगी फैलाने वालो के चालान सुनिश्चित किए जाए। निगम स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 व 26 को लेकर पूरी तरह गंभीर है और शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ बनाए रखने के लिए किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि नागरिकों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाए, ताकि जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सके।

रोहतक। मुख्य मार्गों पर निरीक्षण करतीं संयुक्त आयुक्त।

रात के समय भी किया जा रहा निरीक्षण

नगर निगम आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि सफाई शाखा की टीम द्वारा कल शहर में शाम व रात के समय भी निरीक्षण किया जा रहा है तथा गंदगी फैलाने, सिंगल यूज प्लास्टिक बेचने वालो के 5 चालान 4800 रूपये के किए गये। गंदगी फैलाने वालो पर निगम की टीम द्वारा निरंतर कार्यवाही की जाएगी।

लोगों से सफाई में मांगा सहयोग

संयुक्त आयुक्त नमिता कुमारी ने कहा कि मुख्य मार्गों पर नियमित रूप से सफाई, समय पर कूड़ा उठान तथा सफाई सुनिश्चित की जाएगी। सफाई कार्यों की निरंतर निगरानी की जा रही है। नगर निगम द्वारा आगे भी इस प्रकार के औचक निरीक्षण नियमित रूप से जारी रखे जाएंगे, ताकि शहर की सफाई व्यवस्था उच्च स्तर पर बनी रहे और आमजन को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो सके। नागरिको से अपील कि वे स्वच्छता में सहयोग करें। यदि किसी घर दुकान संस्थान से कूड़ा नहीं उठाया जा रहा तो शिकायत 7303050200 व 7303050800 व सफाई न होने पर 18001805007, 8295900992 नम्बरो पर दर्ज करवाए, जिनका निगम की टीम द्वारा तुरंत समाधान किया जएगा।

Indus
PUBLIC SCHOOL ROHTAK
RANKED No.1 IN ROHTAK
STAFF REQUIRED
Coaching Experts: NEET, JEE, NDA, Vedic Maths
PGTs –
English, Hindi, Mathematics, Physics, Chemistry, Biology, History, Geography, Business Studies, Physical Education, Fine Arts, Accountancy, Music (Vocal & Instrumental), Economics & Computer Science.
TGTs –
English, Hindi, Mathematics, Science, Social Science & Computer
PRT – All Subjects.
Coaches –
For Cricket, Hindi, Mathematics, Science, Social Sciene & Computer
PRT – All Subjects.
Coaches –
For Cricket, Badminton, Swimming, Table Tennis, Skating, Basketball & swimming, Horse Riding, Football.
Front Office Executive ♦ Admintrator ♦ Office Clerk♦ Lab Attendant ♦ Counsellor♦PRO ♦ Receptionist ♦Librarian ♦ Computer Operator
Looking for Post Graduate Teachers with B.Ed. degree & minimum 5 years experience.
Looking for Post Graduate Teachers with B.Ed. degree & minimum 5 years experience. Fluency in English and computer literacy is essential for all the above posts. Send the latest resume along with a recent photograph within 3-4 days on the given
Email:ipsrtkresume@gmail.com
Salary will not be a constraint for the right candidates.
Delhi Road Rohtak || contact:9992900573, 9992900574